

असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3--डपखण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकारित

### PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 558]

नई बिल्ली, शनिवार, विसम्बर 31, 1977/पौष 10, 1899

No. 558]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 31, 1977/PAUASA 10, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सकी।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

#### MINISTRY OF INDUSTRY

#### (Department of Industrial Development)

#### ORDER

New Delhi the 31st December 1977

S.O. 866(E)/18AA/IDRA/77.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following further amendment in the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 483(E)/18AA/IDRA/75, dated the 8th September, 1975, namely—

In the said Order, in the second paragraph, for the words "the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited" the words and letters "P. Chakravarti" shall be substituted.

[No. F. 2(28)/75-CUC]

G. V. RAMAKRISHNA, Addl. Secy.

#### उद्योग मंत्रालय

# (मौद्योगिक विकास विभाग)

#### श्रादेश

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1978

का० आ० 866 (श)/18 ए० ए०/श्राई० डी० श्रार० ए०/77.—केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास श्रौर विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (i) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग श्रौर नागरिक पूर्ति मवालय (श्रौद्योगिक विकास विभाग) के श्रादेश संख्या का० श्रा० 483 (श्र)/18 ए० ए०/श्राई० डी० श्रार० ए०/75, नारीख 8 सितस्बर, 1975 में निम्नलिखित श्रौर संशोधन करती है, श्रर्थात .—

उक्त श्रादेश में द्वितीय पैरा में ''इडस्ट्रियल रिकनस्ट्रक्शन कारपोरेशन श्राफ इण्डिया लिमिटेड'' शब्दो के स्थान पर ''श्री पी० चक्रवर्ती'' शब्द श्रौर श्रक्ष र रखे जाएंगे ।

> [सं० फा० 2 (28)/75-सी० यू० सी०] जी० बी० रामाकृष्ण, ग्रपर सचिव।